

श्रीगुरुदेवनाथपूज्य

श्रीगुरुदेवनाथ

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

II-54

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ दक्षिण विधिः थायुलमादृशः ॥
नकुसुमः थायुलमायः ॥ ॥ कलसः धातुः नमः मंदकानः धवला
धः कर्मालिः कलनः कलसः धातुः नमः मंदकानः धवला
कलंदेवः रविचंद्रालः सार्वभौमः आदिः माधुमिः धातुः सार्वभौमः
मालिकः गालः गायकः थायुलमायः कावः उवकः इलो ॥ ॥ अ
दिः सधायः पूजायायः कः गालयुजतः दवूरकलयाधुमिः धातुः
दिनः पूजायायः गालयुजतः ॥ निगः सधायः ॥ सुलसंदल

यायः ॥ विधुजतयायः ॥ यंकुन विविधः ॥ निधुलः गयः ॥ अदि
धमयः ॥ लंखवलिः कः यः ॥ अकासः यादैनविनखाः ॥ अदि ॥ निग
अनिलः ॥ दधुलि ॥ निगः जनगलः कः धयुजा ॥ निगः वकः वल्लु ॥ ॥
सामयिकयुजा ॥ निगः नमः ॥ निगः विवका ॥ देवयुजा ॥ ॥
थनाः मल्लुलः रुमिः यलिठारु ॥ निगः वडमयः ॥ थनः नसाकेय
कनकायः ॥ मल्लुलः ॥ ॥ यंकुन यनः कायः ॥ मल्लुलः
॥ धुयः ॥ कायः मल्लुलः ॥ धुयः लंखु ॥ धुयः ॥ यलं वं सें ॥ कालः ॥

वायु ज्जि उवधिसुमे लल्लम यलि ॥ हं काय विष्णु वज्र नगीमि
अमरुः वज्रमयसुमिष्णु धलं मलु नि वेडि रवः वज्र नं धरुः व
उयं उल्लहं वरुः व ड विरुः नरुः रवंरुः वज्र नं जा वगोः अगोः
हलि गोः जिः सुवे विष्णु विना जिगः हं उ च क यलि वा मल अः ॥
मलु लादि कं रावा ॥ आः याद्या निः यः लाः वा उगि ॥ सुगारु ल धाः
ले ॥ धीगुरु मिष्ण धन ॥ धना जुल दा दा वन ॥ उं उ क सुचि व
उय धवें उ मरु का ध वज्र सुवे द्रव्य न ज्वलाय रुं रु ॥ मलु लः

दूया व ज्जि दा लन दूला यावा ॥ मदल अं व दा वः वं ज्वस्य यदये
॥ ॥ उं वज्र विज्र रय दं ययायः ययिरु नि विष्णु कय मिगि ॥ ॥
धन रु क रु या वः किलन सा धन याय ॥ जिगः ज्वनि नि ॥ जा पः
धूयः धान ॥ अगिः गि जुन्य नानंः कलं x लादि ॥ ॥ आः या निः
गि का या धि लान ॥ ॥ उं आ ॥ हं ॥ पूजा ॥ पुः कि नान ॥ उं नम रु
क ध ना जायः सुवे द्र रुः नि वाल नि नै ली के विज्र याः सुवे का
रु नम रु ग ॥ ॥ वलि अ ज्ज काल मूर्ष ॥ धना किलन द वः थाल रु

मः निलयः किल न गायः मः कथः ॥ ॐ अ ४ हं रु गू अ क वः सर्वे इ ह म
रु सादिनः धी यलि वा कीलय २ हं रु द ॥ ५ ॥ अः पः लाः यः पूषा न्य
मः ॥ ॐ व उ मूर्जिय हं २ रु द ॥ सा ह्यः ॥ ॐ अ व ल वि गाय हं २ रु द साः
ह्यः ॥ कि न्य गान्यः ॥ ॐ नि न व लं म हा का धा र्य प्र या ध्याः ग उ निः
सर्वे इ ह्य क गा वः अ व ल विलान भो मृ गः ॥ अ काल मूर्यः ॥ यलि
गु नि ॥ ॥ ७ ॥ अ न्य न्यः कल न गायः मं ग्र धः ॥ ॐ अ ४ हं गः
किल उः सर्वे इ ह्यः अ न्यः स यलि वाला नमः किल य २ हं २ रु द

सा ह्यः ॥ ५ ॥ यः लाः यः वाः पूषा न्यः ॥ गु नि ॥ ॐ व उ मूर्जिय हं २ रु द
ह्यः ॥ ॐ ग कि न्य गायः हं २ रु द ॥ कि न्य गान्यः ॥ ॐ शि ला उ न द
गि व लाः शि रु क को ध वि न हं व उ द न्ताः क रु उ निः ध लं ग कि
ला उ न मा मि हं ॥ ॥ १ ॥ निल य मः ॥ किल न गायः मः कथः ॥ ॐ
अ ४ हं निल द न्ता सर्वे इ ह्यः ने न यः स यलि वाला कि न य २ हं २
रु द ॥ ५ ॥ यः पः लाः यः वाः पूषा न्यः ॥ गु नि ॥ ॐ व उ मूर्जिय हं २
रु द सा ह्यः ॥ ॐ नि न द न्ता य न मा हं रु द सा ह्यः ॥ कि न्य गान्यः ॥ ॐ

दृष्टुं वलः महाकोर्धः वज्रं कनकनिधलं मालालिः विद्युर्लः कः
मालः निलदलानमामिदं ॥ ६ ॥ वायुयसः कलगायः मग
थः निलाः ॐ अ४ हं २ रुद्रमाहा वैदावलः सर्वदूकः वायुलिः वाग
नर्धः पलिवाः किलय २ हं २ रुद्र ॥ वज्रमूर्धयः आकागय २ हं २ रुद्र ॥
धः अः प्राः पं लाः धः वाः पृष्णान्ना ॥ ॐ वज्रमूर्धय २ हं २ रुद्र ॥ ॐ म
हावलाय २ हं २ रुद्र लाहा ॥ कनगायः ॐ मालालिः कलकायः व
ज्रं कनकनिधलं विद्यालं गानां महावलं नमामिदं ॥ ॥

॥ ७ ॥ ॐ वज्रं ॥ किलगायः ॥ निगः ॥ निलाः ॥ गायः मलः धः ॥
ॐ अ४ हं वज्रवर्गः सर्वदूकः कवन्दकयिगाः महानः धं पलिः
वागः किलयः २ हं २ रुद्र ॥ धः अः पं यः लाः धं यः पृष्णान्ना ॥ गुग्निः ॐ
वज्रमूर्धय २ हं २ रुद्र ॥ ॐ उषिषवकाय २ हं २ रुद्र लाहा ॥ उगिः ॐ नि
गः धलः कायन्तु वका कायसः गजनिः मालोपदवः रुद्रालः उः
पि कं वक नमामिदं ॥ किञ्च गानेता ॥ ॥ १० ॥ अ४ वज्रं ॥ निग
॥ निलाः ॥ गायः किलः मलः धः ॥ ॐ अ४ हं २ रुद्र सर्वदूकः मायिगिः धि विद
यि

विदुनेमै

वा वसुन्धला विराया ॥ सवा कव वसुन्धरा यं विविन्मः ॥ छुला छुला ॥
मोक्ष क्षनिरि ४४ कावः किं नल छय सवा दना दलि न हान सख लप
पिथि वीन्ध वगायां छरे कीरु गा पीया वक्ष ह दया पा ना सोदि ॥
म्याभिगाम्य ना विविं गा रलनाः छिदिन कन कर दु य दारु य वा
मग न कल दयां ७ क व का ४ प्ल ग ४ छि ग म यो दि स पू छ ॥ आपु
धूय नि गां डनः सगा रं ॥ गा न चा ॥ शू क र्पे न या या दिः पू य ना सा ॥
थनः शू यः ॥ मन्त ॥ ॐ ७ छे दि म हा द वा पिथि वी ला क मा ग य ॥ स

वैललः संयुतः दि गालं कालः र वि गाः हा व नो प व नि र्धो क व ड स
ले पु य डि गं छ दि ल व ७७ दं म र्ध क म द लं मा स सा ध य श दि ही ही र
हं रं र सा हा ॥ ३ ॥ ७७ मि गिल का र्यो ॥ ॥ थन शो ग या य ॥ लं द वि
छा रि व ह ना सि छ वे र ना न ना यि न्ना च यो न य वि छ व र मि का ला
मि गा सू क ॥ य था मा ल वः लं र ७७ अ क सि र न ना यि नाः ग था मा ल डि
लं डि ग्रा म नु द लं र यो म्प रं ॥ ७७ मि गिल का र्यो धि य धन ॥ ॥
सा च के वि या गा मि य क्ता ग ग्रा व लि ने मि वि र्के थ ॥ व ड व न्ध या य

॥ ॐ मडिनिवडिरुव नै वड वक्ष्यसहं ॥ गलिकि चना व व य गारु व
ॐ वडारु वरुं ॐ गिगिलरि मनी नवड व न चि म ड ल गुरु काल वि
अलिगाल साग न वडि व र विरु व ॐ वड दृ र गि व मि नु य ध त्र धि
गि व र ॥ ॥ यं यो य व न य ॐ म डि ॥ ॥ धन वलि विय ॥ ॐ व स व
वलि दालि दालि ड ६ र व र य कालि नीः स व र क न य स म ग नाः ॐ
य मा न क २ ६ द व मि च द च दः र व र र वा दि २ ॐ ध न नि स वा
॥ ॥ ध न व स ॐ म ला धि वा स न ॥ ॥ ॥ ॥ ध न तिः क ले ष

धि वा स न ॥ ॥ म लु ल म ध स व ॐ ॥ ज व द ल वा य ॥ द थ ष क
ल स वा ष वा य र ल ॥ ॥ ज व स प क ष र क ॥ द कि न स व
ड ॥ लि व न म र व ॥ वा म य ल क ले ष दे व न क क लं च ॥ ॐ ॐ ॥
न स क लि र व र ॥ वा य व व क व र ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ ॐ ॥
ज व स र लं च ॥ ध न क ल स धि वा स न य य ॥ चि न ॥ नि म्ना ना
व ड ॥ न ग म लु ल र म ध नि ग य प वी गी म र व म लु ल य च वा न
धु र दि व ड सालि रिव ग क द लं क ग ल क र्ति का यो वि ड य

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

II-54

ॐ नमः॥ श्री चक्रसंवल्लयाय॥ सिंधुना कूङ्गागिष्ठायायः चादि
लोयाविधिइला॥ ॥ कृपायिष्ठाः सिरध्वपनिः धर्मदानयेः धूर्त
नावः काथडाडयावः गयानाथधनना॥ ॥ छुछुलिथादावनाथ॥
॥ ॥ दूरावदावं॥ दूनेचकेसलिन॥ दियालपूजायाय॥ मल्ललक्षीः न
किनिनः मल्ललकासः सदावर्कयावगयाचुलः सिद्धलनगिचके
॥ चकेसलिन॥ मदलकासः कलधयादेअनोः सदावगयाचुः
मोहाल्लिनः किवकेइलो॥ सकलमालनाथनादिलकेइलो॥

इन्धवाकसाइकाः चकेसलिः निम्नविशइलो॥ मूलचुवदिलः
के॥ आरुधस्यधनयाचके॥ चक्रसलिलिभविशः मूलचुलदिल
के॥ आरुध॥ चकेसलिनआरुधविशः दूनेचाकसाः प्राकदिलके
॥ अकयगइलो॥ ॥ धूनाअथील॥ ॥ थनाचकेसलिः नकि
नः नीकैः वृसथिस्वध्वचकेः वृलाचकेः गयाअगयः चुलः चु
लमालोइनेकैसना॥ थलिधननाव॥ ॥ थनाचकेसलिचुलः
मान्यकैगयधननावथना॥ ॥ थनाउवाध्वानः जाययाय॥

॥ ॥ ५ ॥ ॥ धन धन निग ॥ मृदाय जायायः थनाः न दः मृदाय
केरुया ॥ धन नावः करवा नागय के ॥ अमृक गय केः खान माल नय के
समन वाक्का ॥ इके बुगिय केरुया ॥ ॥ धन नावः वः चुरव यावः बु
लः बुल मा लः न्ये दः ना चुर द न या वः बुगिः द गि चुर या चुर पा वः
चुर ना चुर गि भः गि चुर या वः कडिन चुर का स्येनः विन पुगिः वा व के
इला ॥ धन लि व या य ॥ गय या व के इला ॥ ॥ वा के ॥ वरु व ल
मय ॥ ॥ रुक पय के या द का छ इला ॥ ॥ ॥ थनाः नाग ॥ धन न बुध

मय ॥ ॥ वा ॥ गय य इला ॥ ॥ ना ॥ व ड स ख य न म चुर ॥ ॥ वा ॥ इला सि
ला ॥ चिनु ॥ ॥ धन चुर द न्येः द न ल विय ॥ ॥ सिरे या ना ॥ बुल या ॥ या द का छ इला
क पय के इला ॥ ॥ थनाः व के ख लि नः य कि मः ख च का व ग य ॥ ॥
बुल मा ना नः य च ख च का व ग य ॥ ॥ ना द ॥ ॥ स थि स ग य इला ॥ ॥ थनाः
सिरे यो ला ॥ ॥ ना द या द थु छः य च ख च का व ग य इला ॥ ॥ स र्ति क स ॥
द्र पा भ र य ल र व न ला यः स व न था नाग ॥ ॥ म ना के न ॥ ॥ ना य द ल ग न
ॐ य इला व इला ॥ ॥ दि वा य रि व इला ॥ ॥ ॥ र व ला र्च ना यः सि रे या के ॥ ॥

वाक ॥ वंशांशः हांथाहृदयः हिंभावर्कः हूं हूं वंदूः हिं हिं कन्यः यः
प्यान्तः सर्वांशः धसहृदयः जहूं ॥ ॥ थनाच्छुसुमागानः मरुया
गुसिमायाः कया लघंगयकः सिरेया न्याया लाहृगिरुयकः इना
॥ सिमया सिखा संप्रियकः इला ॥ रागिने कः गानकः छुलरा कयय
छुलमागारा कययकः इना ॥ उपाध्याय कययकः धूनकः सिमया
पंछाकलः रु कठुग कः धूनना थना ॥ ॥ थनायकू वंधनयायइ
ला ॥ ॥ ॐ आहूं वंदू वंधनयललानेहूं ॥ ॥ छुलइहा वन्या ॥ ॥

गिदलछु ॥ गिगयाय ॥ नित्ययाय ॥ ॥ थनाः सिंधलरुकेना ॥ रवकू
लमदलकेन्यः रवकन्यधूननावा ॥ ॥ छुलः सिंधाज्जलसः छुलमा
ग्राइन्यद्विआवकः इना ॥ ॥ थनाछुलपू जायायइला ॥ ॥
थनः नमहूं गित ॥ गित कः गित ॥ थनः धर्मदानकः रागियाः विस
ऊनयावकः ॥ ॥ छुलयाकः कृगाने ॥ ॐ नमश्चिवद्वे जीवडसः
त्याहवल्छुलवर्ल ॥ ॥ थनामंक कान्य ॥ धूननावः थलरुस
॥ वातयावः छुलयाः हवलेसंगयइला ॥ रा कवियः ववलः इडा ॥

डाः द्यलः सारवलः कडितन ॥ थम श्रीदावः छुनः शयक इलो ॥
 थमाः सिरव दकया ॥ शोचविय ॥ ॥ धनदाव ॥ उपाधानः सिद्ध
 वरः वकः खिलः लवङ्गाया ॥ कि कनः नकिनिः लवङ्गायं लो ॥
 उदि गानः चिगइलो ॥ छुलूनसिधलनियकः छुनमागानः कृगिक
 लेधविय ॥ ॥ वक छुलू कावियः खोलाविय ॥ छकलेः धननाव ॥
 माहाः यालः हिलकः शोचकयगा ॥ ॥ दाद आरलः छिके ॥
 दावले हिलक इलो ॥ आचिलिया इक ववाहाले ॥ ॥ दाप

ववाहाले धननादान ॥ सिद्धनः छुलू दछानयाय ॥ ॥ धुनः
 इयगा ॥ ॥ धनः वकि कूदलः चिगइलो ॥ छुनदादावः वय
 गा छुनयावनाललाय कंगय ॥ सिरवनः छुनः शयकय ॥ ॥ धन
 छुलूः सागा इथन छुन्यवन्थ ॥ नदृगियूलः नामाछाः धनमाल
 ॥ ॥ सकलेदः याः आर्धकैः समयः कायमाल ॥ छिके ॥ ॥ ॥
 छुनमः श्रीवकुसुमया ॥ ॥ ॥ यनाकूकूरुयांश ॥ सूर्योद्यया
 य ॥ नमकालयाय ॥ गजमात्रकाय ॥ ॥ धवः छुः ॥ धर्मध

उधरु ॥ नागकाय ॥ सिंधुलरु ॥ मदलकीय ॥ धमादयाः नाग
काय ॥ विष्णुधल ॥ नव ॥ काथकाथयजायाय ॥ मधुमेल
॥ धितः ॥ अलिनः ॥ धितः ॥ अनुरल ॥ धितः ॥ नकवनः ॥ धितः ॥ नवदु
दरु ॥ धितः ॥ धनासिंधुलरु ॥ उरुमा ॥ याः थावनः ॥ योधनयावः पूजा
॥ अर्यअर्यवाधितः ॥ जाय ॥ धूप ॥ निर्मांजन ॥ ॥ यथन्या ॥ ॥
सकलधनजापयाया ॥ धनाः ॥ सुदय ॥ कलसाः ॥ लुहकुं धनः ॥ माधु
रुपासः ॥ सर्वरु ॥ दूतः ॥ नयावः ॥ लामुदुगः ॥ नयावः ॥ माधीरुपागदुयः

यावः ॥ वियरुला ॥ दलः ॥ थादुय ॥ नाविय ॥ जादु ॥ सममाल ॥ धननाः
वः ॥ सलाकाय ॥ ॥ धनाः ॥ अन्निर्दुलसः ॥ यंक ॥ विदि ॥ कायावः ॥ रुः
मिष्ठधनयाय ॥ इन्निथापनयाय ॥ कार्थथया ॥ य ॥ ॥ धनाय
थमादुगियाय ॥ ॥ नादुगि ॥ कथे ॥ धादुगि ॥ यायरुला ॥ धनाः ॥ मि
निलीयं वयादुले ॥ धनादेव ॥ पूजायाय ॥ नमरुः ॥ धितः ॥ धितः ॥ धितः
॥ ॥ धनादेव ॥ धनादुगि ॥ मालदुयाय ॥ ॥ धनायंक ॥ अन्निर्दुगि
वयायावः ॥ रुकठवके ॥ सने ॥ ॥ धनाः ॥ यंक ॥ धुलेकाः ॥ रुकठवके ॥

याय॥ महाप्राणदिलके॥ कोउआरुलनः शिनुः दाछवलः दि
 लके॥ शोचिनीयाः रुक्कः वया रुक्कः वया कालः धनदावः॥ ॐ॥
 गुरुलपूजाः धर्मः दानके॥ केगनेः॥ ॥ पूनायाय॥ ॥ द
 शिनजया॥ सचालनयः सिधूलः रुकायावः देवकेनयावके
 य॥ रावना॥ कित्रिकलेशः कायावः देवकेरावकेः रावनायाय॥
 वकेधलिनः वकेधलिनः सिधूलनः त्रिवकेः धर्मः लकेसुन
 काः वियः सानवियः॥ नकिनिनः कित्रिः कलेशः वियः उदिनाः

नलजिनयाय॥ ॥ धननावः आरुकाः धनः विविदं विः शिनः
 ॥ ॥ धननावः गुन्या॥ ॥ वकियकिजिन॥ ॥ लाजसकासः स्वा
 वकेकावः वदिकूदलः काले॥ शिनु॥ सद्योगयायता॥ यूलखः
 कानः कायावः नकिनिनः धनके॥ रुकपूयावः नय॥ लिथसः
 धनयाय॥ ॥ रुद्रकादि अर्यसाका॥ सद्धरथकांमनिः सद्धरथ
 सधनिः नुरुवकीनिः कथसालः सद्धेदियप्रिनिः सद्धयय
 अमर्तः पाये रुद्रसाका॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय

१ किल्लनीविधि॥ धनः वलिः किल्लदेवः वारुः कल्लधः मोहानिः वाव
 १ निगवडः कनगिकसा न

१ उल्लछा॥
 १ कंसयाल॥
 १ मुलोथ॥
 १ कोना॥
 १ रवयिडा॥

१ पूवछा॥
 १ मरवाता॥
 १ नकेथः डा॥
 १ दद॥

१ मध्यास॥
 १ स्वादुथ॥
 १ आचूडा॥
 १ माहायाल॥
 १ अयिना॥

१ दरिवन॥
 १ नायिकावा॥
 १ अजिथ॥
 १ वलाना॥
 १ पुकेछुछा॥

१ पुकिमस॥
 १ काकुः रुथ॥
 १ दजः दिः॥



१७३ गतिशक्ति

१७३ गतिशक्ति

१७३ गतिशक्ति